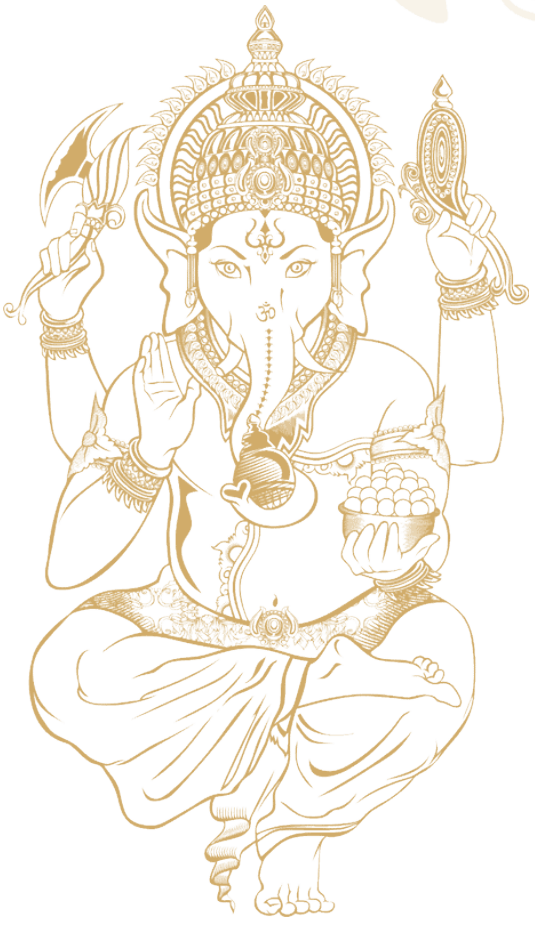

Shikshsa Tripathi

12 Jan 2011

01:04 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121901311

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/01/2011**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:04:00 घंटे**
इष्ट	44:31:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:42:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:43 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:42 घंटे
सूर्योदय	07:15:31 घंटे
सूर्यास्त	17:42:33 घंटे
दिनमान	10:27:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:12:46 धनु
लग्न के अंश	03:44:11 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शिव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:44:11	312:48:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			धनु	27:12:46	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मीन	19:56:01	11:55:35	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	02:45:33	00:46:47	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध			धनु	04:05:03	01:06:43	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मीन	04:07:32	00:09:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	10:23:07	01:02:18	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
शनि			कन्या	23:01:26	00:01:33	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		धनु	08:32:46	00:00:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	08:32:46	00:00:36	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष			मीन	03:13:31	00:01:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	03:02:47	00:01:56	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:41:59	00:02:06	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	05:30:10	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:58

लग्न-चलित

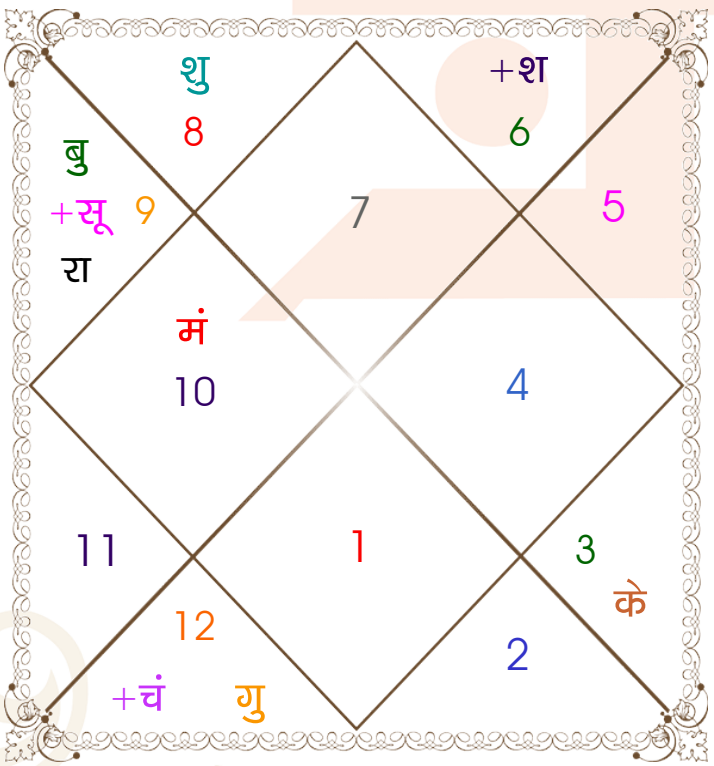

चन्द्र कुंडली

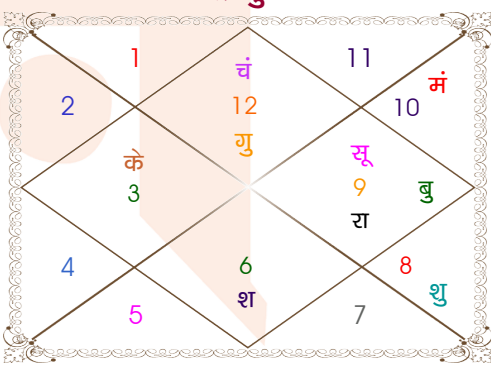

नवमांश कुंडली

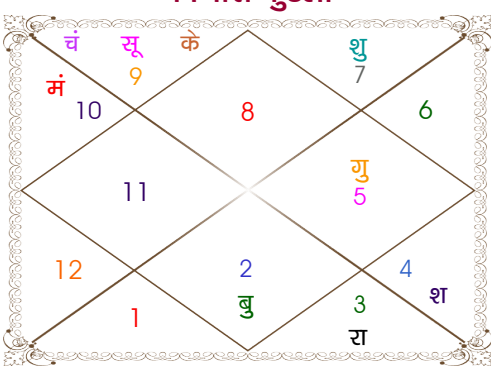

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 10 मास 0 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/01/2011		12/11/2023		12/11/2030		12/11/2050		12/11/2056	
12/11/2023		12/11/2030		12/11/2050		12/11/2056		12/11/2066	
	00/00/0000	केतु	10/04/2024	शुक्र	14/03/2034	सूर्य	02/03/2051	चंद्र	12/09/2057
	12/01/2011	शुक्र	10/06/2025	सूर्य	14/03/2035	चंद्र	31/08/2051	मंगल	13/04/2058
शुक्र	05/02/2013	सूर्य	16/10/2025	चंद्र	12/11/2036	मंगल	06/01/2052	राहु	13/10/2059
सूर्य	12/12/2013	चंद्र	17/05/2026	मंगल	12/01/2038	राहु	30/11/2052	गुरु	11/02/2061
चंद्र	14/05/2015	मंगल	13/10/2026	राहु	12/01/2041	गुरु	18/09/2053	शनि	12/09/2062
मंगल	10/05/2016	राहु	31/10/2027	गुरु	13/09/2043	शनि	31/08/2054	बुध	12/02/2064
राहु	27/11/2018	गुरु	06/10/2028	शनि	12/11/2046	बुध	08/07/2055	केतु	12/09/2064
गुरु	04/03/2021	शनि	15/11/2029	बुध	12/09/2049	केतु	12/11/2055	शुक्र	14/05/2066
शनि	12/11/2023	बुध	12/11/2030	केतु	12/11/2050	शुक्र	12/11/2056	सूर्य	12/11/2066

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/11/2066		12/11/2073		12/11/2091		13/11/2107		13/11/2126	
12/11/2073		12/11/2091		13/11/2107		13/11/2126		00/00/0000	
मंगल	10/04/2067	राहु	25/07/2076	गुरु	31/12/2093	शनि	16/11/2110	बुध	11/04/2129
राहु	28/04/2068	गुरु	19/12/2078	शनि	13/07/2096	बुध	26/07/2113	केतु	08/04/2130
गुरु	04/04/2069	शनि	25/10/2081	बुध	19/10/2098	केतु	04/09/2114	शुक्र	13/01/2131
शनि	14/05/2070	बुध	13/05/2084	केतु	25/09/2099	शुक्र	04/11/2117		00/00/0000
बुध	11/05/2071	केतु	01/06/2085	शुक्र	27/05/2102	सूर्य	17/10/2118		00/00/0000
केतु	07/10/2071	शुक्र	31/05/2088	सूर्य	15/03/2103	चंद्र	17/05/2120		00/00/0000
शुक्र	06/12/2072	सूर्य	25/04/2089	चंद्र	14/07/2104	मंगल	26/06/2121		00/00/0000
सूर्य	13/04/2073	चंद्र	25/10/2090	मंगल	20/06/2105	राहु	02/05/2124		00/00/0000
चंद्र	12/11/2073	मंगल	12/11/2091	राहु	13/11/2107	गुरु	13/11/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।